



ऑवसीजोन

दिव्य आकाश

सुविचार

सकारात्मक सोच के साथ किया गया हर कार्य फलीभूत होता है।

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी सामाहिक अखबार

वर्ष-16, अंक- 34

कोरबा, शुक्रवार दिनांक 28 नवंबर से 04 दिसंबर 2025

पृष्ठ-8, मूल्य-3/-



बालको निरंतर कर रहा है सामुदायिक विकास के क्षेत्र में कार्य

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) द्वारा बालकोनगर में विभिन्न सड़कों का चौड़ीकरण, स्टेडियम पुर्ननिर्माण, जुबली पार्क (सिविक में स्थित) के सौंदर्यीकरण एवं विभिन्न विकास के कार्य तेजी से किये जा रहे हैं। इसका उद्देश्य स्थानीय समुदाय को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना है, जिससे नागरिकों के दैनिक जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन आए। बालको समुदाय के समग्र कल्याण, स्वस्थ जीवनशैली और हरित वातावरण को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर प्रतिबद्ध है।

सड़कों का चौड़ीकरण और फुटपाथ निर्माण

कंपनी द्वारा बालकोनगर में सड़कों के चौड़ीकरण और फुटपाथ निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। इसका उद्देश्य स्थानीय यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाना और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित

अंबेडकर स्टेडियम से युवाओं के खेल को मिलेगा बढ़ावा

अंबेडकर स्टेडियम में चल रहा मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण कार्य बालकोनगर के खिलाड़ियों और स्थानीय समुदाय के लिए बेहद जरूरी था। स्टेडियम की संरचना, ग्राउंड कंडीशन और अन्य खेल सुविधाओं में किए जा रहे सुधारों से यह परिसर पहले से अधिक सुरक्षित, आकर्षक और उपयोगी बन जाएगा। स्टेडियम के सौंदर्यीकरण से न केवल इसका वातावरण सुधरेगा, बल्कि यह स्थानीय स्तर पर खेल गतिविधियों के लिए एक प्रेरणादायक स्थल के रूप में विकसित होगा। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद आधुनिक स्वरूप वाला स्टेडियम बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी करने में भी सक्षम होगा, जिससे बालकोनगर की खेल संस्कृति को नई पहचान मिलेगी।

व सुविधाजनक मार्ग उपलब्ध कराना है। चौड़ी सड़कों से वाहनों की आवाजाही अधिक व्यवस्थित होगी। वहीं, नए फुटपाथ बुजुर्गों, बच्चों, महिलाओं और दैनिक आवागमन करने वालों के लिए सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित करेंगे। चौड़ी सड़कें, स्वच्छ फुटपाथ और किनारों पर हरियाली का विकास बालकोनगर को अधिक आकर्षक बनाएगा यह विकास कार्य स्थानीय नागरिकों के जीवन को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।



बालको में स्वाद का नया केंद्र इंडियन कॉफी हाउस

बालकोनगर में इंडियन कॉफी हाउस स्वाद की नया केंद्र, नवस्थापित इंडियन कॉफी हाउस (आईसीएच) न केवल स्वादिष्ट कॉफी और व्यंजनों का नया केंद्र बना है, बल्कि यह स्थानीय नागरिकों और कर्मचारियों के लिए सामुदायिक मेलजोल का स्थल भी बन गया है। आधुनिक और सौंदर्यपूर्ण वातावरण में विकसित यह कॉफी हाउस लोगों के लिए बातचीत और अनौपचारिक मुलाकातों के लिए सुकून भरा स्थल बन गया है। स्वाद और गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध आईसीएच का आगमन टाउनशिप में सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

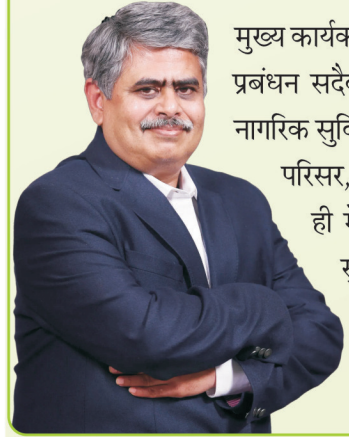
पार्क केवल मनोरंजन का स्थान नहीं, बल्कि लोगों के लिए स्वास्थ्य, विश्राम और सामुदायिक मेलजोल का केंद्र



सिविक सेंटर स्थित जुबली पार्क का सौंदर्यीकरण कार्य तेजी से हो रहा है। पार्क में वॉकिंग पथ, हरित क्षेत्र का विस्तार, बैठने की व्यवस्था, बच्चों के लिए सुरक्षित खेल उपकरण तथा ऊर्जा-सक्षम प्रकाश व्यवस्था की व्यवस्था की जा रहा है। स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पार्क के नियमित रख-रखाव के लिए भी विशेष प्रबंधन व्यवस्था लागू की गई है। पार्क केवल मनोरंजन का स्थान नहीं, बल्कि लोगों के लिए स्वास्थ्य, विश्राम और सामुदायिक मेलजोल का केंद्र बन सके, इसी उद्देश्य से नया स्वरूप दिया जा रहा है। सौंदर्यीकरण पूरा होने के बाद यह पार्क बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक सुरक्षित, स्वच्छ और आनंदमय

सार्वजनिक स्थल के रूप में नई पहचान हासिल करेगा। नेहरू उद्यान के सौंदर्यीकरण के उपरांत, स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में सुबह-शाम टहलने, योग करने और स्वस्थ दिनचर्या अपनाने के लिए यहाँ पहुँच रहे हैं। हरियाली, स्वच्छ वातावरण और अत्याधुनिक लाइटिंग की वजह से पार्क पहले से अधिक आकर्षक और सुरक्षित बन गया है। नियमित रूप से टहलने आने वाले लोगों के अनुसार, यह उद्यान अब स्वास्थ्य, विश्राम और मानसिक शांति के लिए एक आदर्श स्थल बन गया है। बच्चों, बुजुर्गों और परिवारों के लिए भी यह स्थान मनोरंजन और सामुदायिक जुड़ाव का केंद्र बन गया है।

लोगों की बेहतरी का प्रयास - राजेश कुमार



मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा - बालको प्रबंधन सदैव अपने टाउनशिप को बेहतर बनाए रखने हेतु विभिन्न नागरिक सुविधाओं के सुदृढीकरण के लिए प्रयासरत रहा है। नेहरू पार्क परिसर, बालको स्टेडियम, आधुनिक अस्पताल, विद्यालय, हाल ही में खुला नया इंडियन कॉफी हाउस तथा अन्य नागरिक सुविधाएँ नगर के जीवन को समृद्ध बनाती हैं। कंपनी परिवारों के दैनिक जीवन में सुकून और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हुए नगर की सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को नई गति प्रदान कर रहा है।



बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

महिला सशक्तिकरण की कहानियाँ सामाजिक बदलाव की नई संभावना को दर्शाती हैं। बालको के सामुदायिक विकास के अंतर्गत स्थानीय महिलाओं ने अपने आत्मनिर्भरता की यात्रा को सशक्त किया है। छत्तीसगढ़ के बालकोनगर स्थित शांतिनगर निवासी श्रीमती पूनम सिंह

बालको की 'उन्नति' परियोजना आर्थिक निर्भरता की मिसाल

कहती हैं कि मेरे पास एक सपना था, लेकिन कभी नहीं सोचा था कि मेरी कला मुझे आत्मनिर्भर बना सकती है। आज मैं अपना व्यवसाय चला रही हूँ। परिवार के निर्णयों में सक्रिय रूप से शामिल होती हूँ और दूसरों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हूँ। इनकी कहानी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) की पहल 'प्रोजेक्ट उन्नति' से जुड़ी अनेक महिलाओं के बदलाव को दर्शाती है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पहल 'उन्नति' के माध्यम से अपनी पहचान और आत्मनिर्भरता पाई, जो कभी केवल बचत समूहों में बैठकर विचार साझा करने से शुरू हुआ था। वह आज आत्मविश्वास, साहस और आत्मनिर्भरता की प्रेरक कहानियों में बदल चुकी हैं। पूनम याद करते हुए बताती हैं कि कैसे घर पर सजावटी वस्तुएँ बनाने का उनका शौक धीरे-धीरे 'डेकोरट्री' नामक सूक्ष्म उद्यम में बदल गया। उन्होंने बताया कि पहले मैं केवल दोस्तों और

परिवार के लिए ही वस्तु बनाती थी। उन्नति से जुड़कर मैंने सीखा कि कैसे अपने बनाई वस्तु की कीमत, ग्राहकों से बात करने और यहाँ तक कि सोशल मीडिया का उपयोग करना है। आज जब त्योहारों पर लोग अपने घरों को सजाते हैं, तो मुझे संतोष होता है कि मेरे बनाए उत्पाद उनके उत्सव का हिस्सा बन रहे हैं। इसी तरह की सफलताएँ कई और महिलाओं की कहानियों में दिखाई देती हैं। श्रीमती रथ बाई उन्नति की 'छत्तीसा' नामक फूड-आधारित उद्यम से जुड़ी हैं। अपने शुरुआती दिनों को याद कर कहती हैं कि शुरुआत में मुझे अपने क्षेत्र से बाहर उत्पाद बेचने का अनुभव नहीं था। उन्नति ने मुझे ऑर्डर प्रबंधन और अपने उत्पादों का प्रचार करना सिखाया। ग्राहक का बार-बार दोबारा ऑर्डर मेरे उद्यम की विश्वसनीयता को मजबूत करता है। कुछ महिलाओं के लिए यह यात्रा केवल व्यवसाय तक सीमित नहीं रही, बल्कि आर्थिक

निर्भरता की मिसाल हैं। श्रीमती मालती गोस्वामी बताती हैं कि शिक्षा ने मुझे बुनियादी ज्ञान दिया, और वित्तीय प्रशिक्षण ने साहस और आत्मविश्वास से सशक्त किया। अब मैं अपने व्यवसाय का लेखा-जोखा लाभ-हानि का आकलन खुद करती हूँ और भविष्य की योजना बनाती हूँ। पहले मैं दूसरों से मार्गदर्शन लेती थी, लेकिन आज हमारी समूह की महिलाएँ मुझसे सलाह लेती हैं। यह बदलाव न केवल मेरे लिए, बल्कि हमारे समूह की सभी महिलाओं के लिए सशक्तिकरण का प्रतीक है। सबसे प्रेरक पहलू इस सामूहिक परिवर्तन में नजर आता है। जो महिलाएँ पहले सार्वजनिक रूप से बोलने में संकोच करती थीं, आज आत्मविश्वास के साथ अपने स्वयं सहायता समूहों का नेतृत्व कर रही हैं। श्रीमती सरला यादव कहती हैं कि जब हम साथ बैठते हैं, तो केवल बचत या योजनाओं की चर्चा नहीं होती। हम अपने सपनों पर बात करते हैं, चुनौतियाँ

साझा करते हैं और एक-दूसरे का हौसला बढ़ाते हैं। धीरे-धीरे हमने सीखा है कि हमारी आवाज मायने रखती है, और मिलकर हम और आगे बढ़ सकते हैं। इन कहानियों से यह स्पष्ट होता है कि सशक्तिकरण हमेशा बड़े कदमों से नहीं, बल्कि निरंतर छोटे-छोटे प्रयासों से आता है। हर नया कौशल, हर लिया गया निर्णय और हर स्थापित उद्यम, ये सभी मिलकर महिलाओं की स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा गढ़ रहे हैं। पूनम, रथ, मालती, सरला और सैकड़ों अन्य महिलाओं की यह यात्रा हमें याद दिलाती है कि वे केवल उत्पाद या व्यवसाय नहीं बना रही हैं, बल्कि आत्मनिर्भरता और प्रेरणा की ऐसी विरासत गढ़ रही हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बन जाएगी। यह साबित करता है कि जब सपने अवसर से मिलते हैं, तो परिवर्तन अवश्य होता है। बालको की इस पहल से महिलाओं के चेहरों पर मुस्कान बिखर रही है।

बालको की पहल से महिला सशक्तिकरण को मिल रहा बल

गिरदावरी एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे हेतु संशोधन अवधि में विस्तार, 15 दिसम्बर तक बढ़ाई गई तिथि

कोरबा (दिव्य आकाश)।

गिरदावरी एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे के संबंध छत्तीसगढ़ शासन द्वारा PV App के माध्यम से भौतिक सत्यापन उपरांत प्रविष्टियों में परिवर्तन करने की अवधि को पूर्व में 30 नवम्बर 2025 तक बढ़ाया गया था, जिसे अब पुनः बढ़ाकर 15 दिसम्बर 2025 कर दिया गया है। शासन द्वारा निर्देशित किया जाता है कि सभी संबंधित अधिकारी एवं मैदानी अमला संशोधित समय-सीमा के अनुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि गिरदावरी एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रविष्टियाँ समयबद्ध एवं शुद्ध रूप से पूर्ण की जा सकें।

कृषकों के पंजीयन हेतु तिथि में वृद्धि, 15 दिसम्बर तक बढ़ाई गई तिथि

कोरबा (दिव्य आकाश)।

एकीकृत किसान पोर्टल से जारी पत्र के माध्यम से कैरीफारवर्ड, डूबान क्षेत्र एवं वन पट्टाधारी कृषकों के पंजीयन की कार्यवाही हेतु दिनांक 30 नवम्बर 2025 तक संबंधित प्रावधान को समस्त समितियों के समिति लॉगिन में उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। उक्त श्रेणियों के कृषकों के पंजीयन की प्रक्रिया वर्तमान में प्रचलित है। शासन द्वारा कृषकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए, संबंधित प्रावधान को समस्त समितियों के समिति लॉगिन में उपलब्ध कराने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 15 दिसम्बर 2025 तक करने के निर्देश जारी किए गए हैं। सभी समितियों से अपेक्षा की जाती है कि विस्तारित अवधि के भीतर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करते हुए पात्र कृषकों का पंजीयन सुनिश्चित करें।

एसईसीएल कुसमुंडा प्रबंधन के झूठे आश्वासनों से त्रस्त भूविस्थापित महिलाएं, 1 दिसंबर से मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय के गेट पर करेंगी अनिश्चितकालीन घेराव

कोरबा/कुसमुंडा (दिव्य आकाश)।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (SECL) कुसमुंडा परियोजना से प्रभावित भूविस्थापित महिलाओं ने रोजगार, बसाहट और अन्य लंबित मांगों को लेकर कंपनी और जिला प्रशासन के झूठे आश्वासनों से तंग आकर 1 दिसंबर 2025 को एक बड़े और निर्णायक आंदोलन की घोषणा की है।

भूविस्थापित महिलाओं के समूह, जिसमें गोमती, केंवट, काजल, इन्द्रा, सरिता टिक्तेराम बिंझवार, पूनम और मीना कंवर जैसी भूविस्थापित शामिल हैं।

ज्ञापन में भूविस्थापित महिलाओं ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी समस्याओं का ठोस समाधान और निराकरण नहीं किया जाता, तब तक वे SECL कुसमुंडा के मुख्य महाप्रबंधक (General Manager) कार्यालय के मुख्य द्वार (दोनों गेट) को जाम कर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगी।

बार-बार वादाखिलाफी

महिलाओं ने बताया कि उन्होंने पूर्व में भी 17 नवंबर 2025 को SECL कुसमुंडा कार्यालय पर गेट जाम आंदोलन किया था। उस समय दरी तहसीलदार ने स्वयं मौके पर पहुंचकर हस्तक्षेप किया था और यह लिखित आश्वासन दिया था कि 21 नवंबर 2025 को बैठक आयोजित कर सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

भूविस्थापित महिलाओं ने कहा-

हम कई बार गेट जाम, खदान बंद और ऑफिस दफ्तर के चक्कर लगाते-लगाते थक चुके हैं।



SECL और जिला प्रशासन के अधिकारियों के झूठे आश्वासन से हम त्रस्त हो गए हैं। 21 नवंबर 2025 को बैठक और समाधान का वादा किया गया था, लेकिन वह भी एक और छलावा साबित

हुआ। अब जब तक समाधान व निराकरण नहीं किया जाएगा हम गेट को नहीं छोड़ेंगे।
भूविस्थापित महिलाओं की मांग -
पात्र भूविस्थापितों को तत्काल निराकरण कर रोजगार देना सुनिश्चित किया जाए।
समुचित और सम्मानजनक बसाहट की व्यवस्था देना होगा। अन्य सभी लंबित मांगों का समयबद्ध निराकरण करने को सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य द्वार को जाम कर अनिश्चितकालीन घेराव का एलान
भूविस्थापित महिलाओं ने इस आंदोलन को SECL और प्रशासन की उदासीनता और संवेदनहीनता के विरुद्ध अंतिम लड़ाई बताया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि इस आंदोलन से उत्पन्न होने वाली किसी भी अप्रिय स्थिति या कोयला उत्पादन में बाधा की पूरी जिम्मेदारी SECL प्रबंधन और जिला प्रशासन की होगी।

विकासखंड पाली की 93 पंचायतों में विकास कार्यों के सपने दिखाने वाली जनपद पंचायत पाली का मुख्य द्वार स्वयं कई वर्षों से आधारभूत सुविधा के अभाव का प्रतीक बना हुआ है। नगर पंचायत पाली के वार्ड क्रमांक 12 में स्थित जनपद पंचायत कार्यालय के ठीक सामने बरसों से नाली का गंदा पानी खुले में बह रहा है। इस मार्ग पर उचित नाली निर्माण न होने के कारण स्थिति दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों और मोहल्लेवासियों का कहना है कि इस सड़क से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग शिव मंदिर और हनुमान मंदिर में पूजा-पाठ करने के लिए पैदल गुजरते हैं, लेकिन नाली व्यवस्था के अभाव में फैला यह गंदा पानी न सिर्फ उनकी धार्मिक यात्रा में बाधा बनता है, बल्कि स्वास्थ्य को भी गंभीर खतरा पैदा करता है। बारिश के दिनों में यह समस्या और विकराल रूप ले लेती है, जब गंदगी पूरे रास्ते में फैल जाती है और दुर्गंध के कारण लोगों का निकलना दूषर हो जाता है। सबसे हैरानी की बात यह है कि इसी मार्ग से क्षेत्र



के सांसद, विधायक, जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा एसडीओ इंजीनियर तक रोजाना अपने कार्यालय के लिए गुजरते हैं। बावजूद इसके, नाली निर्माण एवं पानी निकासी जैसी मूलभूत समस्या पर अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों का

आरोप है कि नगर पंचायत पाली की उदासीनता के कारण यह समस्या वर्षों से जस की तस बनी हुई है और शिकायतों के बावजूद भी स्थिति में सुधार नहीं हो रहा। फिलहाल, ग्रामीणों की निगाहें टिकी हुई है कि नगर पंचायत इस दिशा में ठोस कदम उठाती है या नहीं।

कोरबा में 9 दिवसीय श्रीराम कथा का भव्य रूप से सम्पन्न

भगवान राम की शांति शास्वत- लाटा महाराज गुरुवर श्री शंभू शरण लाटा जी के अमृतमय प्रवचन सुनने उमड़ा जनसैलाब

कोरबा (दिव्य आकाश)।

शहर की पीली कोठी परिसर में 21 नवंबर से 29 नवंबर तक आयोजित 9 दिवसीय श्रीराम कथा का आज आध्यात्मिक उमंग के साथ सम्पन्न हो गया। शंभू शरण लाटा जी की दिव्य वाणी से सजी इस कथा में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पहुंचे और प्रभु श्रीराम के आदर्श जीवन की अमृतमयी शिक्षाओं का श्रवण रहीं।

कथा आयोजन में कोरबा वासियों ने सक्रिय योगदान दिया, जबकि मुख्य आयोजक के रूप में रितेश गुप्ता, कैलाश गुप्ता, दीपक अग्रवाल, आशीष बत्रा और महेश अग्रवाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दिव्य प्रसंगों ने बांधा समा

9 दिनों तक चली कथा में संत लाटा जी ने अत्यंत सरल, मार्मिक और आध्यात्मिक शैली में राम जन्मोत्सव, सीता-विवाह, शिव-विवाह, पुष्पावटिका प्रसंग, केवट संवाद, श्रवण कुमार, भरत चरित्र, सीता हरण, राम वनवास और शबरी प्रसंग—का अद्भुत वर्णन किया।

हर प्रसंग पर पंडाल भक्तिमय वातावरण से गूँज उठा और श्रद्धालुओं ने बार-बार ‘जय श्रीराम’ के उद्घोष के साथ कथा का आनंद लिया।

अंतिम दिन सुंदरकांड में रामभक्ति की



बताई महत्ता

लाटा महाराज ने श्री रामकथा के अंतिम दिन सुंदरकांड का प्रसंग सुनाया और भगवान श्रीराम की भक्ति में लीन हनुमान जी के कर्म प्रधान और भक्ति प्रधान की कथा संगीतमय सुनाई। उन्होंने कहा कि राम की शांति शास्वत है। उन्होंने प्रसंगों के माध्यम से कहा कि अच्छा काम करने से अहम का भाव नहीं आता। राम के काम बिना आराम कहाँ... हनुमान की भक्ति में शक्ति का वर्णन करते हुए लाटा महाराज ने कहा कि सीता की खोज में जब हनुमान जी लंका पहुंचे, इसके पूर्व सुरसा सहित कई बड़े राक्षसों, राक्षसियों का सामना किया। कहीं बल प्रयोग किया और कहीं बुद्धि का। कभी विराट रूप से राक्षसों का संहार किया तो, कहीं सूक्ष्म रूप से बुद्धि का प्रयोग किया और सीता मैय्या तक पहुंचे। सीता माँ ने हनुमान को अंगूठी दी और हालचाल लेकर भगवान श्रीराम को सीता मैय्या की कथा सुनाई। सीता का हालचाल लाकर हनुमान जी ने भगवान श्रीराम को जीवन का सबसे सुखद समाचार बताया, तब राम ने हनुमान को गले लगाया और कहा कि पूरे ब्रम्हांड में तुमसा मेरा कोई प्रिय नहीं।

लाटा महाराज आगे कहते हैं कि बड़ा बनना है तो बन जाओ, लेकिन छोटा बनना पड़े तो संकोच मत करना। छोटा बनने से आशीर्वाद मिलता है और आशीर्वाद से ही मानव का कद बढ़ा होता है। सुंदरकांड के दिव्य प्रसंगों से श्रोता कभी गर्व महसूस करते थे, तो कभी आंखों में अश्रु बहने लगते। सुंदरकांड की कथा से रामकथा पर विराम लगा।

संत लाटा जी का आध्यात्मिक व्यक्तित्व

पंडित श्री शंभू शरण लाटा जी का जन्म कोलकाता में हुआ। उनके पिता पंडित दुर्गादत्त लाटा और दादा पंडित जमुनाधर लाटा न्यायशास्त्र एवं भागवत पुराण के प्रसिद्ध विद्वान थे।

स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज से दीक्षा ग्रहण करने के पश्चात तथा संत गुरारी बापू की कथा सुनने के बाद उन्हें रामकथा सेवा की प्रेरणा मिली।

आज भी वे निस्वार्थ भाव से कथा का आयोजन करते हैं और विशेष बात यह है कि किसी भी कथा में दान-दक्षिणा स्वीकार नहीं करते। उनका संदेश है कि रामकथा सेवा है, लेन-देन नहीं।

कोरबा में बना आध्यात्मिक वातावरण

देश का गौरव, कोरबा की बेटी संजू देवी का 01 दिसम्बर को सम्मान समारोह

पाली (दिव्य आकाश)।

पाली में खेल प्रेमियों के लिए यह एक विशेष अवसर है, जब अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी सुश्री संजू देवी के सम्मान में पाली का गौरव सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। कबड्डी वर्ल्ड कप टूर्नामेंट में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने न केवल जिले बल्कि पूरे प्रदेश का नाम सम्मानपूर्वक ऊंचा किया है। खेल क्षेत्र में उनके समर्पण, मेहनत और धैर्य ने युवाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

यह समारोह 1 दिसंबर सोमवार दोपहर 2 बजे शिव मंदिर, पाली में आयोजित होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना और जिले की उपलब्धियों को साझा करना है। इसमें सभी पदाधिकारी, खिलाड़ी, खेलप्रेमी और आम नागरिकों को शामिल होने की अपील की है, ताकि पाली की इस बेटी का मान और बढ़े। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है एकता और समानता। बिना किसी भेदभाव, पक्षपात या अलगाव की भावना के, यह कार्यक्रम सभी के लिए खुला है। सभी नागरिकों से विनम्र निवेदन है कि वे इस गौरवपूर्ण अवसर में सम्मिलित होकर जिले की प्रतिभा संजू देवी का सम्मान बढ़ाएं और खेल भावना को मजबूत करें।



राजनीतिक व सामाजिक हस्तियों ने भी लिया आशीर्वाद



कथा पंडाल में जिले की कई गणमान्य हस्तियों ने भी पहुंचकर गुरुवर लाटा जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। इनमें कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन, पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, कोरबा नगर निगम अध्यक्ष संजू देवी राजपूत, भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी, राम सिंह अग्रवाल, योगेश जैन तथा लाइंस क्लब के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल रहे। इन सभी ने कथा आयोजन की सराहना की और इसे कोरबा के लिए आध्यात्मिक उत्सव बताया।

9 दिनों तक पूरे कोरबा में भक्तिमय माहौल बना रहा। पीली कोठी परिसर में सुबह से देर रात तक श्रद्धालु आते रहे और कथा श्रवण के साथ भक्ति-संगीत का आनंद लेते रहे। कथा विराम के साथ ही भक्तों ने भविष्य में फिर से ऐसे आयोजन की इच्छा जताई।

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ एवं संस्कारम संस्था के विशेष सहयोग से राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न

कोरबा (दिव्य आकाश)।

शासकीय कन्या उच्च. माध्यमिक विद्यालय साड़ा कोरबा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के विशेष ग्रामीण शिविर का शुभारंभ राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी सविता पाठक तथा सह प्रभारी रेणुका लदेर के कुशल नेतृत्व में प्राथमिक शाला ग्राम दैहानभाटा (गोढ़ी) में हुआ था।

आशुतोष पाण्डेय (आई ए एस) आयुक्त, नगर निगम कोरबा के मुख्य आतिथ्य एवं उ. मा. वि. गोढ़ी की प्राचार्य रिनी दुबे तथा रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी राधाकंठ कश्यप, कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साड़ा कोरबा के प्राचार्य रणधीर सिंह की उपस्थिति में शिविर का आयोजन सम्पन्न हुआ।

इसके पूर्व रविवार को सहायक आयुक्त, आ.जा. कल्याण विभाग, कोरबा श्रीकांत कसेर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं जीतेन्द्र राठौर एन. आई. आई.टी. डिजिटल साक्षरता, चित्रलेखा चंदेल, चेयरपरसन संस्कारम संस्था तथा विपेन्द्र कुमार साहू, अध्यक्ष छ.ग.अ. वितरक संघ कोरबा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। डॉ योगेंद्र कुमार तिवारी ने शिविर का रात्रिकालीन औचक निरीक्षण किया और सभी व्यवस्थाओं को संतोषजनक पाया।

शनिवार को मुख्य अतिथि रणधीर पाण्डेय-अध्यक्ष नमामि हसदेव सेवा समिति



के द्वारा योग के महत्व पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। अनिरुद्ध कुमार राठौर एलएलएम एवं एडवोकेट धनश्री अजय साहू, पार्षद वार्ड न. 07 कोरबा विशिष्ट अतिथि थे। अनिरुद्ध कुमार राठौर के द्वारा शिविर के प्रतिभागियों को वैधानिक प्रक्रियाओं की बारीकियां समझाई गई।

शिविर के चौथे दिन शुक्रवार को बौद्धिक चर्चा में ‘स्वतंत्रता आंदोलन में जनजातीय समाज का योगदान’ विषय में प्रमेश सिंह चंदेल, सीए सीएस एलएलबी एवं इंजी. आकांक्षा चंदेल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इसके पूर्व बुधवार को बौद्धिक परिचर्चा के विषय ‘खेलकूद का जीवन पर सकारात्मक प्रभाव’ में मुख्य अतिथि दिनू पटेल, जिला क्रोडा अधिकारी, कोरबा, विशिष्ट अतिथि के.आर.टंडन, सहायक जिला क्रोडा अधिकारी, झसेंद्र गभेल, नवपदस्थ सहायक जिला क्रोडा अधिकारी एवं रामकृपाल साहू, सहायक खेल

अधिकारी, कोरबा, ग्राम पंचायत गोढ़ी वार्ड क्रमांक 5 के पंच पदम सिंह चंदेल, ग्राम सचिव कौशल प्रसाद सोनवानी उपस्थित रहे। अपने उद्घोधन में श्री पटेल ने कहा कि मैदान में खेले गए खेल के द्वारा टीमवर्क, एकाग्रता और संघर्ष सीखते हैं, जो जीवन के हर क्षेत्र में हमें सफलता दिलाती है। स्वस्थ शरीर, उज्ज्वल भविष्य, सकारात्मक सोच खेलों के द्वारा ही बनता है।

विशिष्ट अतिथियों ने भी खेलों का महत्व बताते हुए कहा कि खेल केवल हार या जीत का ही नाम नहीं बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और भविष्य गढ़ने का एकमात्र साधन है।

मंगलवार को उद्घाटन दिवस में मुख्य अतिथि वी.के. पाठक (आईपीएस) के प्रतिनिधि के रूप मे प्रशांत सिंह, साइबर सेल एक्सपर्ट उपस्थित हुए। उनके साथ डेमन ओगरे, साइबर टेक्निकल एक्सपर्ट, ग्राम पंचायत गोढ़ी की सरपंच झुलकुंवर राजे, वार्ड क्रमांक 5 के पंच पदम सिंह चंदेल,



ग्राम सचिव कौशल प्रसाद सोनवानी, प्रधानपाठक ममता डहरिया, सहायक शिक्षक शिव शंकर चौहान, स्वप्न डहरिया, उमा बाई, गायत्री सिदार,जानकी कर्ष आदि उपस्थित थे। डेमन ओगरे ने साइबर ठगी से बचने के लिए विभिन्न सुझाव दिए।

स्वयंसेविकाओं द्वारा योग सत्र के पश्चात गांव में नशा मुक्ति हेतु लोगों को जागरूक करने हेतु नारे लगाते हुए रैली निकाली गई। बौद्धिक परिचर्चा सत्र के विषय ‘हमारे प्रेरणा स्रोत विवेकानंद जी’ में मुख्य अतिथि हेमंत साहू, संस्कार भारती छत्तीसगढ़ प्रांत के संगठन मंत्री, रायपुर तथा विशिष्ट अतिथि मनोज वैष्णव व्याख्याता संस्कृत एवं संस्कार भारती छत्तीसगढ़ प्रांत के जिला मंत्री रहे। अपने उद्घोधन में श्री साहू ने स्वयंसेविकाओं को स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं को बताया तथा उनके जीवन पर आधारित नीतिपरक कथा भी सुनाई, साथ ही उन्होंने देववाणी संस्कृत भाषा के महत्व को भी बताया।

‘संस्कारम्’ (संस्कार, सेवा और शिक्षा) समिति द्वारा कैंपस के प्रतिभागियों को वेद, पुराण, गीता, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों की शिक्षाओं का महत्व बताया गया। साथ ही महापुरुषों के जीवन प्रसंगों, नीति श्लोकों तथा राष्ट्रप्रेम की भावना से प्रेरित होने का संदेश दिया। समिति की संरक्षक एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती चित्रलेखा चंदेल, अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षा चंदेल, नेहा अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, प्रियंका जायसवाल,दिलीप त्रिपाठी दीपिका पुजारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन रासेयो सह प्रभारी रेणुका लदेर के द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम अधिकारी सविता पाठक के द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

रासेयो कैंप में चार दल शामिल थे।

रानी लक्ष्मीबाई दल -

ज्योति, पेमिला, काजल, खुशी, लुकेशना, तान्या, पूजा, अंजली, प्रियंका, चांदनी, श्रेया, रागिनी।

रानी पद्मावती दल -

ज्योति, समीक्षा, मासूम, अंजनी, किरण, प्रीति, आराधना, जमुना, भूमिका, अनुराधा, देव्यानी, अश्विन तिकी, चांदनी गिरी।

रानी अहिल्याबाई दल -

मोनिका, चांदनी श्रीवास, सिमरन, सुष्मा, माही, प्रतिभा, शबाना, मीनाक्षी, रोशनी, सिमरन, साक्षी।

रानी दुर्गावती दल

कविता, खुशबू, नैना, संजोत, संस्कृति, श्रीय पटेल, आकांक्षा, दिव्या साहू, आसना, दिव्या महंत, प्रिया।

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ द्वारा एक सप्ताह राष्ट्रीय सेवा योजना के 48 विद्यार्थियों को कैंप में सभी अखबारों को सुबह निशुल्क सेवा प्रदान किया और उन्हें प्रतिदिन अखबार पढ़ने के लिए प्रेरित किया। जिसमें छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के प्रदेश अध्यक्ष पदम सिंह चंदेल, बालको इकाई के रेशम साहू, जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू, जिला सचिव जय सिंह नेताम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, राय सिंह, रामा, तपेश्वर राठौर, कृष्ण निर्मलकर, अनिल गिरी, राकेश कोषाध्यक्ष बालको इकाई का विशेष योगदान रहा।

सम्पूर्ण सात दिवसीय शिविर के संयोजक पदम सिंह चंदेल, पंच वार्ड क्र 5, ग्राम गोढ़ी थे। उक्त आशय की जानकारी राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम की सह प्रभारी रेणुका लदेर ने दी।

सुविचार

शांति मन के अंदर होती है,
बाहर शांति की तलाश व्यर्थ है।
- गौतम बुद्ध

सरोकार

चीन से सतर्क रहने की जरूरत

चीन की विस्तार वादी नीति से भारत को सतर्क रहना होगा। चीन कभी भी भारत का विश्वास पात्र दोस्त नहीं बन सकता। चीन की कुटिलता जग जाहीर है, भारत को इससे सावधान रहने की जरूरत है। बीते मंगलवार को चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि जांगनान (अरूणाचल प्रदेश) हमारा हिस्सा है। उन्होंने कहा कि चीन ने भारत के अवैध तरीके से बसाए अरूणाचल प्रदेश को कभी मान्यता नहीं दी। चीन का यह बयान भारतीय महिला पेम वांगजाॅम थांगडॉक के साथ शंघाई एयरपोर्ट पर बदसलूकी के आरोपों के सवाल पर आया। चीन ने पेम के साथ बदसलूकी के आरोप को भी नकार दिया। इस बयान के बाद भारत ने कड़े तेवर दिखाए और कड़े शब्दों में उत्तर दिया और कहा कि अरुणाचल भारत का हिस्सा है और यह सच्चाई नहीं बदल सकती। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि अरूणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग और इस सच्चाई को कोई दबा नहीं सकता। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह स्वतः सिद्ध तथ्य है। चीन की ओर से चाहे जितना भी इंकार किया जाए, यह निर्विवाद वास्तविकता बदलने वाली नहीं है। हिरासत के मुद्दे को भी चीनी पक्ष के समक्ष जोरदार तरीके से उठाया गया है।

-संपादक



पढ़ें पर फिर छाएगी **Ranbir Kapoor** और **Deepika Padukone** की जोड़ी! अयान मुखर्जी बनाएंगे राज कपूर की 'चोरी चोरी' का मॉडर्न वर्जन

26 नवम्बर संविधान दिवस पर पीएम मोदी का संदेश

प्रिय देशवासियों,
नमस्ते!

26 नवंबर हर भारतीय के लिए बहुत गौरवशाली दिन है। इसी दिन 1949 में संविधान सभा ने भारत के संविधान को अंगीकार किया था। इसलिए एक दशक पहले, साल 2015 में एनडीए सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था।

हमारा संविधान एक ऐसा पवित्र दस्तावेज है, जो निरंतर देश के विकास का सच्चा मार्गदर्शक बना हुआ है। ये भारत के संविधान की ही शक्ति है जिसने मुझ जैसे गरीब परिवार से निकले साधारण व्यक्ति को प्रधानमंत्री के पद पर पहुंचाया है। संविधान की वजह से मुझे 24 वर्षों से निरंतर सरकार के मुखिया के तौर पर काम करने का अवसर मिला है। मुझे याद है, साल 2014 में जब मैं पहली बार संसद भवन में प्रवेश कर रहा था, तो सीढ़ियों पर सिर झुकाकर मैंने लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर को नमन किया। साल 2019 में जब चुनाव परिणाम के बाद मैं संसद के सेंट्रल हॉल में गया था, तो सहज ही मैंने संविधान को सिर माथे लगा लिया था।

संविधान दिवस पर हम डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद समेत उन सभी महान विभूतियों का स्मरण करते हैं, जिन्होंने भारत के संविधान के निर्माण में अपना अहम योगदान दिया है। डॉक्टर बाबासाहेब अम्बेडकर की भूमिका को भी हम सभी याद करते हैं, जिन्होंने असाधारण दूरदृष्टि के साथ इस प्रक्रिया का निरंतर मार्गदर्शन किया। संविधान सभा में कई प्रतिष्ठित महिला सदस्य भी थीं, जिन्होंने अपने प्रखर विचारों और दृष्टिकोण से हमारे संविधान को समृद्ध बनाया।

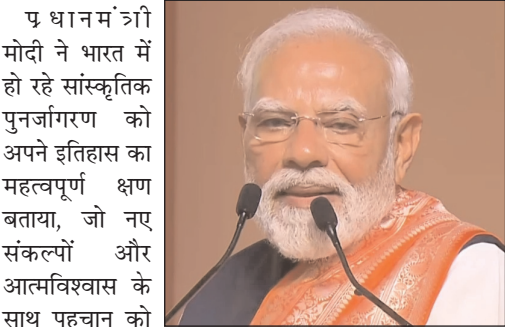
साल 2010 में जब संविधान के 60 वर्ष हुए थे, तब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था। हमने संविधान के प्रति कृतज्ञता और निष्ठा प्रकट करने के लिए एक प्रयास किया। 2010 के उस साल में गुजरात में 'संविधान गौरव यात्रा' निकाली गई थी। इस पवित्र ग्रंथ की प्रतिकृति को एक हाथी के ऊपर रखकर मैंने उस भव्य यात्रा की अगुवाई की थी।

जब संविधान के 75 वर्ष पूरे हुए, तो ये हमारी सरकार के लिए ऐतिहासिक अवसर बनकर आया। हमें देशभर में विशेष अभियान चलाने का सौभाग्य मिला। संविधान के 75 वर्ष होने पर हमारी सरकार ने संसद का विशेष सत्र आयोजित किया और राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान भी चलाया। ये अभियान जन-भागीदारी का बड़ा उत्सव बन गया।



पर्ल-स्टडेड व्हाइट बॉडीकॉन ड्रेस में 'ग्लैमर गल' बनी तारा सुतारिया, फिट फिगर को ग्रेसफुली फ्लॉन्ट करती दिखीं हसीना बॉलीवुड की गॉर्जियस एक्ट्रेसस में शुमार एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने इस साल अपना 30वां बर्थडे बेहद स्टायलिश अंदाज में मनाया।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण के शिखर पर भारत, पीएम मोदी ने जगाया नया आत्मविश्वास, इतिहास रच रहा देश



प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में हो रहे सांस्कृतिक पुनर्जागरण को अपने इतिहास का महत्वपूर्ण क्षण बताया, जो नए संकल्पों और आत्मविश्वास के साथ पहचान को मजबूत कर रहा है। उन्होंने मठ की सेवा भावना, जल संरक्षण और स्वदेशी अपनाने जैसे नए संकल्पों पर जोर देते हुए कहा कि युवाओं की ऊर्जा और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत एक शानदार सांस्कृतिक पुनर्जागरण का साक्षी बन रहा है और आज का भारत नए संकल्पों और नए आत्मविश्वास के साथ अपनी सांस्कृतिक पहचान को आगे बढ़ा रहा है। श्री संस्थान गोकर्ण परतगली जीवोत्तम मठ में भगवान राम की 77 फीट ऊँची कांस्य प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने लोगों से जल संरक्षण और स्वदेशी अपनाने सहित नए संकल्प लेने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह मठ मूल्यों को बनाए रखने की आधारशिला रहा है और आने वाली पीढ़ियों को ऊर्जा प्रदान करता रहेगा... इसकी एक विशेषता सेवा की भावना है, जिसने सदियों से समाज के हर वर्ग का साथ दिया है। सदियों पहले, जब इस क्षेत्र को विपत्ति का सामना करना पड़ा था और लोग अपने घर-परिवार छोड़कर नई जमीनों पर शरण लेने के लिए मजबूर हुए थे, तब इस मठ ने समुदाय का समर्थन किया। नए स्थानों पर मंदिर और आश्रय स्थापित किए।

उन्होंने कहा कि इसने न केवल धर्म, बल्कि मानवता और संस्कृति की भी रक्षा की। समय के साथ, मठ की सेवाओं का विस्तार हुआ है। आज, शिक्षा से लेकर छात्रावासों तक, वृद्धों की देखभाल से लेकर जरूरतमंद परिवारों की सहायता तक, इस मठ ने हमेशा अपने संसाधनों को जन कल्याण के लिए समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि भारत अपने इतिहास के एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है और युवाओं की ऊर्जा और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव एक नए भारत को आकार देने में मदद कर रहे हैं।

मोदी ने कहा कि हमारे युवाओं की ऊर्जा, हमारा बढ़ता आत्मविश्वास और हमारी सांस्कृतिक जड़ों से हमारा नया जुड़ाव, ये सभी मिलकर एक नए भारत को आकार दे रहे हैं। एक विकसित, विकसित भारत का हमारा सपना तभी साकार होगा जब आध्यात्मिकता, राष्ट्र सेवा और विकास, एक ही उद्देश्य से, सद्भावनापूर्वक आगे बढ़ेंगे। गोवा और यह मठ इस साझा लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान



इस वर्ष का संविधान दिवस कई कारणों से विशेष है

यह वर्ष सरदार पटेल जी और भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती का है। सरदार पटेल जी के नेतृत्व और सूझबूझ ने देश का राजनीतिक एकीकरण सुनिश्चित किया। ये सरदार पटेल जी की ही प्रेरणा है जिसने हमारी सरकार को जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 की दीवार गिराने के लिए प्रेरित किया। आर्टिकल 370 हटने के बाद वहां भारत का संविधान पूरी तरह लागू हो गया है और लोगों को संविधान प्रदत्त सभी अधिकार मिले हैं।

भगवान बिरसा मुंडा जी का जीवन आज भी हमें जनजातीय समुदाय के लिए न्याय, गरिमा और सशक्तिकरण सुनिश्चित करने की प्रेरणा देता है। इस साल हम वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव भी मना रहे हैं। वंदे मातरम् हर दौर में प्रासंगिक रहा है। इसके शब्दों में हम भारतीयों के सामूहिक संकल्प की गूंज निरंतर सुनाई देती रही है। इस वर्ष हम श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत के 350वें वर्ष को भी मना रहे हैं। उनका जीवन और शहादत की गाथा आज भी हमें प्रेरित करती है।

इन सभी का जीवन हमें उस कर्तव्य को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता है, जिसे हमारे संविधान ने भी सबसे अहम बताया है। हमारे संविधान का आर्टिकल 51A मौलिक कर्तव्यों को समर्पित है। ये कर्तव्य हमें सामाजिक और आर्थिक प्रगति प्राप्त करने का रास्ता दिखाते हैं। महात्मा गांधी ने हमेशा नागरिकों के कर्तव्यों पर बल दिया था। वे मानते थे कि जब हम ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं, तो हमें अधिकार भी स्वतः मिल जाते हैं।



मोदी के 09 संकल्प अपनाने भारतवासियों से अपील

- हमें जल संरक्षण करना है।
- हर व्यक्ति कम से कम एक पेड़ लगाए।
- हम देश के कम से कम एक गरीब का जीवन सुधारने का प्रयास करें।
- स्वदेशी अपनाएं।
- प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना है।
- हम हेल्टी लाईफ स्टाईल को अपनाएं।
- योग अपनाएं, इसे जीवन का हिस्सा बनाएं।
- पाण्डुलिपियों का संरक्षण करें।
- देश के कम से कम 25 ऐसे स्थानों का दर्शन करें जो हमारी विरासत से जुड़े हैं।

दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का साक्षी बन रहा है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का भव्य पुनरुद्धार और उज्जैन में महाकाल महलोक का विस्तार... ये सभी देश की नई चेतना और अपनी आध्यात्मिक विरासत के सशक्त पुनरुत्थान के उदाहरण हैं। आज का भारत नए संकल्पों और नए आत्मविश्वास के साथ अपनी सांस्कृतिक पहचान को आगे बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने मठ द्वारा विकसित 'रामायण थीम पार्क गार्डन' का भी उद्घाटन किया। उन्होंने विशेष डाक टिकट और एक स्मारक सिक्का भी जारी किया और इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। श्री संस्थान गोकर्ण परतगली जीवोत्तम मठ, पहला गौड़ सारस्वत ब्राह्मण वैष्णव मठ है। यह द्वैत संप्रदाय का पालन करता है, जिसकी स्थापना जगद्गुरु माधवाचार्य ने 13वीं शताब्दी में की थी। मठ का मुख्यालय कुशावती नदी के तट पर, दक्षिण गोवा के एक छोटे से शहर परतगली में स्थित है। एजेंसी।



हमारी संस्कृति... हमारी विरासत है... छत्तीसगढ़ी भाषा

वैसे तो भारत के हर कोने में अपनी माटी की अलग महक है। यहां हर 5 किलोमीटर में भाषा और बोली बदल जाती है, परंतु हर भारतीय का एक ही लक्ष्य होता है कि भाषा और बोली के संवाद से सद्भाव, एकता और राष्ट्रभाव जागृत करना।

हम यदि छत्तीसगढ़ की भाषा या बोली छत्तीसगढ़ी की बात करें, तो यह छत्तीसगढ़वासियों का मान और अभिमान दोनों है। कहा भी जाता है कि पूरे देश में छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया...। छत्तीसगढ़ी भाषा की बात करें तो यह संस्कृत और हिन्दी भाषा की तरह मधुर और मीठी लगती है। पूरे देश में छत्तीसगढ़ी बोलने वाले की अलग पहचान होती है। इस भाषा में सादगी और मिठास की साफ झलक दिखाई देती है। हम छत्तीसगढ़ियों के लिए छत्तीसगढ़ी भाषा हमारी संस्कृति और विरासत की अनमोल धरोहर है।

28 नवम्बर 2007 को छत्तीसगढ़ी भाषा को राजभाषा का दर्जा मिला और 2007 के बाद हर 28 नवम्बर को राजभाषा दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। 11 जुलाई 2008 को राजपत्र में इसका प्रकाशन हुआ और 14 अगस्त 2008 से छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग का कार्यकाल प्रारंभ हुआ। तब डा. रमन सिंह मुख्यमंत्री हुआ करते थे और उन्होंने आयोग के प्रथम सचिव के रूप में छत्तीसगढ़ के लब्धप्रतिष्ठित कवि एवं साहित्यकार पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे को नामित किया। आज हमें इस बात पर गर्व होना चाहिए कि हम छत्तीसगढ़ी बोलते हैं। पूरे भारत में छत्तीसगढ़ी भाषा का आज बोलबाला दिखाई देता है और हम जिस राज्य में भी जाएं... स्वाभिमान और गर्व के साथ छत्तीसगढ़ी बोलते हैं।

आकर्षक भाषा

छत्तीसगढ़ी भाषा में गजब का आकर्षण है। छत्तीसगढ़ी भाषा की मिठास और मधुरता में इतनी ताकत है कि वह किसी को भी आकर्षित कर सकती है। छत्तीसगढ़ी भाषा बोलते ही लोगों को लगता है कि छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया...। राग, द्वेष से विरक्त छत्तीसगढ़ी संस्कृति से प्रभावित किसी भी राज्य के लोग यहां आते हैं... और यहीं के रह जाते हैं। आज छत्तीसगढ़ लघु भारत के रूप में भी विख्यात है और उत्तर से दक्षिण तक तथा पूर्व से पश्चिम तक फैले भारत के हर राज्य के लोग यहां निवास कर यहां की संस्कृति और विरासत को पुष्पित और पल्लवित कर रहे हैं। सरल और सभ्य भाषा के रूप में आज हर राज्य के लोग इस भाषा को बोलने लगे हैं, क्योंकि यह भाषा सरल और सहज है।

हमारी संस्कृति और विरासत को बढ़ाने की जरूरत

छत्तीसगढ़ी भाषा हमारी संस्कृति और विरासत दोनों है। आज हमें इस भाषा को किसी भी लेबल में बोलने से हिचकने की जरूरत नहीं, क्योंकि यह हमारा मान है और स्वाभिमान भी है। इस भाषा को बोल-चाल के साथ-साथ राजकीय कार्य में भी पूर्ण सम्मान के साथ शामिल किए जाने की आवश्यकता है, ताकि छत्तीसगढ़ी भाषा का मान और बड़े।

13वीं भाषा के रूप में पाठ्यक्रम में शामिल

राजभाषा बनने के बाद छत्तीसगढ़ी को 13वीं भाषा के रूप में मान्यता मिली और साहित्यकारों तथा सरकार की मदद से इसे पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। इससे छत्तीसगढ़ी का मान और सम्मान बढ़ा।

8वीं अनुसूची में हो शामिल

छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग बनने के बाद छत्तीसगढ़ी को 8वीं अनुसूची में शामिल करने का प्रयास लगातार जारी है और छत्तीसगढ़ी भाषा को 8वीं अनुसूची में शामिल करने प्रयास तेज होना चाहिए।

यहां हर 5 किलोमीटर में बोली के अलग रंग

छत्तीसगढ़ की परंपरा और संस्कृति अद्वितीय और निराली है। छत्तीसगढ़ी भाषा की एक ऐसी भाषा है जहां हर 5 किलोमीटर में इसका रंग और रूप बदल जाती है। रायपुर जिले के लोग जहां अलग रूप से छत्तीसगढ़ी बोलते हैं, वहीं बिलासपुर और कोरबा में इसके बोलने की शैली बदल जाती है। सरगुजा जाने पर अलग और बस्तर जाने पर छत्तीसगढ़ी की बोली अलग हो जाती है। यह हमारे छत्तीसगढ़ में ही संभव है जहां पर छत्तीसगढ़ी के कई रूप देखने को मिलते हैं। यही रंग और रूप छत्तीसगढ़ को अद्वितीय और निराला बनाता है। यदि हम छत्तीसगढ़ में बोली जानी वाली बोलियों की बात करें तो प्रमुख रूप से सरगुजिया, लरिया, सदरी कोरवा, खल्हारी, बैगानी, बिंझवारी, कलंगा/भूलिया और बस्तरी (हल्बी) प्रमुख हैं। गोड़ जाति के लोग जहां गोंडी बोलते हैं वहीं कई आदिवासी कुरूक बोली का उपयोग करते हैं। इसके अलावा हर 5 किलोमीटर में छत्तीसगढ़ी बोली का रूप बदल जाता है। ऐसी छत्तीसगढ़ी भाषा/बोली अद्वितीय और निराली है। इस भाषा में सद्भाव और एकता पैदा करने की अद्वितीय शक्ति भी है।

सब झन ल राजभाषा दिवस के गाड़ा-गाड़ा बधाई

28 नवम्बर ह हमर बर ऐतिहासिक दिन आवे। आज के दिन हमर छत्तीसगढ़ी भाषा ल 2007 म हमर मुख्यमंत्री रहिस डॉ. रमन सिंह ह राजभाषा के दर्जा दिन अऊ छत्तीसगढ़ी के मान ल बढ़ाईस। छत्तीसगढ़ भाषा हमर पुरखौती मन के स्वाभिमान ए, एला हमन ल आगे बढ़ाए के जरूरत आवे। छत्तीसगढ़ी भाषा ह हमर अभिमान अऊ स्वाभिमान आवे। एला संजोए के जरूरत आवे। छत्तीसगढ़ महतारी के मान तभी बढ़ही, जब हमन हमर बोलचाल के भाषा म छत्तीसगढ़ी के उपयोग करबो अऊ सरकारी कामकाज म घलऊ एकर उपयोग होही। ये हमर गौरव अऊ संस्कृति दुनो आवे, एकर मान ल बढ़ाए बर सब्बोजन के प्रयास जरूरी आवे, तभे आत्मगौरव के एहसास होही। सब्बो झन ल एक बार अऊ राजभाषा दिवस के गाड़ा गाड़ा बधाई।



गोवा IFFI 2025 में रजनीकांत की फिल्म 'लाल सलाम' की हुई स्क्रीनिंग, ऐश्वर्या ने जताया आभार

शुक्रवार को गोवा में आयोजित हो रहे आईएफएफआई 2025 समारोह का आखिरी दिन था। इस दिन कई दिग्गज सितारों ने शिरकत की। इसी कड़ी में साउथ अभिनेता रजनीकांत की फिल्म 'लाल सलाम' की स्क्रीनिंग की गई, जिसे एक्टर की बेटी ऐश्वर्या ने निर्देशित किया है। इस दौरान दोनों पिता-पुत्री शामिल रहे। इस फिल्म को देखने के बाद दर्शकों ने इसकी सरहाना की। ऐश्वर्या रजनीकांत ने स्क्रीनिंग के बाद अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, 'वह पल अभी भी मेरे जेहन में ताजा है। इस अनुभव के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। मुझे लगता है कि यह इस फिल्म के लिए एक वरदान है। अभिनेता की बेटी ऐश्वर्या ने आभार व्यक्त किया।



धनुष ने जमाया हिंदी बॉक्स ऑफिस पर झंडा, ‘तेरे इश्क में’ बनी 2025 की सबसे बड़ी ओपनिंग!

बाहुबली सीरीज़ की अपार सफलता के बाद से दक्षिण भारतीय फिल्मों का दबदबा हिंदी पट्टी में लगातार बढ़ रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बाहुबली सीरीज़ की अपार सफलता के बाद से दक्षिण भारतीय फिल्मों का दबदबा हिंदी पट्टी में लगातार बढ़ रहा है। ‘पुष्पा’, ‘आरआरआर’ और ‘सालार: पार्ट 1 – सीज़फ़ायर’ जैसी फिल्मों ने नए मानक स्थापित किए। तमिल सुपरस्टार रजनीकांत पहले ही हिंदी बाज़ार में अपना प्रभुत्व दिखा चुके हैं, और अब धनुष एक निडर पैन-इंडिया स्टार के रूप में उभरकर इस लीग में मजबूती से शामिल हो गए हैं। उनकी नई फिल्म ‘तेरे इश्क में’ दर्शकों पर बिजली की तरह गिरी है।

धनुष की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग

‘तेरे इश्क में’ के साथ धनुष ने 2025 की सबसे बड़ी ओपनिंग दे डाली है। उनकी हाई-प्रोफाइल तमिल फिल्मों—‘कुबेरा’ (14.75 करोड़) और ‘इडली कढ़ाई’ (11 करोड़) ने इस साल शानदार शुरुआत की थी, लेकिन धनुष की हिंदी एंट्री ने इन सभी रिकॉर्ड्स को पीछे छोड़ दिया। फिल्म ने पहले दिन हिंदी पट्टी में 15.06 करोड़ रुपये का धमाका किया, जो साबित करता है कि धनुष अब हिंदी दर्शकों के भी चहेते बनते जा रहे हैं। यह ओपनिंग सिर्फ सफलता नहीं बल्कि उनकी बढ़ती पैन-इंडिया स्टारडम का संकेत है।

शंकर के रूप में इमोशन्स का तूफान

फिल्म में धनुष ने शंकर का किरदार निभाते हुए प्रेम, क्रोध, विश्वासघात और प्रतिशोध जैसी प्रबल भावनाओं को अविश्वसनीय सहजता से पर्दे पर उतारा है। इमोशन्स पर उनकी यह पकड़ उनकी सबसे बड़ी ताकत के रूप में फिर उभरकर आई है। पहले दिन के शानदार कलेक्शन के साथ फिल्म अपने पहले वीकेंड में और भी जबरदस्त उछाल दिखाने के लिए तैयार है। बेहतरीन रिव्यूज़ और मज़बूत वर्ड ऑफ माउथ फिल्म की कमाई को और ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। ट्रेड एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ‘तेरे इश्क में’ धनुष की हिंदी रिलीज़ के लिए नया बेंचमार्क बन सकती है और 50 करोड़ का आंकड़ा पार करने की पूरी उम्मीद है।

आनंद एल राय के निर्देशन और ए.आर. रहमान के मनमोहक संगीत से सजी ‘तेरे इश्क में’ इस समय सिनेमाघरों में धूम मचा रही है।

हमेशा अमर रहेंगे धर्मेन्द्र

दिवंगत अभिनेता के घर पहुंचे शत्रुघ्न सिन्हा, सनी-बाॅबी से की मुलाकात

मुंबई (एजेंसी)।

दिव्गज अभिनेता धर्मेन्द्र के निधन के बाद लोग उन्हें याद कर रहे हैं और देओल परिवार से मिलकर उन्हें सात्व्ना दे रहे हैं। इसी क्रम में अब अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा भी धर्मेन्द्र के घर पहुंचे। जहां उन्होंने सनी देओल और बाॅबी देओल से मुलाकात करके अपने साथी अभिनेता को श्रद्धांजलि दी।

धर्मेन्द्र के घर पहुंचे शत्रुघ्न सिन्हा

शत्रुघ्न सिन्हा ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की। इस पोस्ट में उन्होंने धर्मेन्द्र और सनी देओल व बाॅबी देओल के साथ कुछ पुरानी तस्वीरें साझा की। इसके साथ ही अभिनेता ने बताया कि उन्होंने दिल्ली से वापस आने के बाद धर्मेन्द्र



के घर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। एक्स पर शत्रुघ्न सिन्हा ने लिखा, ‘दिल्ली से लौटते ही दुखी मन से अपने सबसे प्यारे पारिवारिक मित्र और हमारे बड़े भाई धर्मेन्द्र के घर आया। उनके बेटों सनी देओल और बाॅबी देओल व उनकी पत्नी तान्या,

और बेटों धरम और खासकर आर्यमन से मुलाकात की। उन सभी से मिलकर बहुत अच्छा लगा और धर्मजी को एक अद्भुत व्यक्ति के रूप में याद किया। वो हमेशा कई दिलों और लोगों की यादों में अमर रहेंगे। इस दुखद समय में उनकी शांति और

शक्ति के लिए प्रार्थना करता हूं। ओम शांति...’

24 नवंबर को हुआ था धर्मेन्द्र का निधन

कई दिनों की बीमारियों के बाद धर्मेन्द्र का निधन बीते 24 नवंबर को हो गया था। उनके निधन के बाद परिवार ने उनका अंतिम संस्कार काफी शांतिपूर्वक किया था। इसको लेकर उनके कई फैस देओल परिवार से नाराज भी हो गए थे। हालांकि, निधन से पहले धर्मेन्द्र कई दिनों तक ब्रीच कैन्डी अस्पताल में भर्ती रहे थे। इस बीच उनके फैस काफी चिंतित हो गए थे। हालांकि, तब लगभग एक हफ्ते तक अस्पताल में रहने के बाद धर्मेन्द्र अस्पताल से अपने घर पहुंच गए थे।



मांग में सिंदूर, आंखों पर काला चश्मा और हाई बन..‘गुस्ताख इश्क’ की स्क्रीनिंग छाई रेखा, ब्लैक साड़ी में दिखा रॉयल अंदाज**फेमस फैशन डिजाइनर मनीष महलोत्रा ने अपनी पहली फिल्म ‘गुस्ताख इश्क’ के जरिए बतौर प्रोड्यूसर फिल्मी दुनिया में डेब्यू किया है।**



मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के हीमैन धर्मेन्द्र का 24 नवंबर को 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके अंतिम समय में परिवार के अलावा किसी को भी उनसे मिलने की अनुमति नहीं थी, क्योंकि वह वेंटिलेटर पर थे। इस बीच 1970-80 के दशक की मशहूर अभिनेत्री मुमताज ने खुलासा किया कि वह धर्मेन्द्र से उनकी आखिरी घड़ी में नहीं मिल पाई और ICU के बाहर घंटों इंतजार करती रहीं।

30 मिनट तक ICU के बाहर बैठें मुमताज

मुमताज ने बताया कि वह मुंबई के ब्रीच कैन्डी अस्पताल में धर्मेन्द्र से मिलने गई थीं। उन्होंने कई बार कोशिश की, लेकिन वेंटिलेटर सपोर्ट पर होने की वजह से किसी को भी मिलने की अनुमति नहीं थी। मुमताज लगभग 30 मिनट

ट्रैक्टर पर बजा सलमान खान का हिट सॉन्ग तो झूमने लगे विदेशी, ‘चुनरी-चुनरी’ पर किया मजेदार डांस, वीडियो वायरल



मुंबई (एजेंसी)।

बॉलीवुड के 90 के गानों का आज भी लोगों में एक अलग ही क्रेज देखने को मिलता है। आज के नए ट्रेंडी सॉन्स के सामने 90 के दशक के गानों का चार्म कभी फीका नहीं पड़ता। न सिर्फ देश बल्कि विदेश में भी लोगों के ऊपर हिंदी सॉन्स का पूरा क्रेज देखने को मिलता है। हाल ही में एक लेटेस्ट वीडियो में इसका नजारा देखने को मिला, जब कुछ विदेश लोग सलमान खान के चुनरी-चुनरी सॉंग पर नाचने को मजबूर हो गए। सोशल मीडिया पर यह वायरल वीडियो खूब देखा जा रहा है।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक ट्रैक्टर पेट्रोल पंप पर आता है और उसके लगे स्पीकर में अचानक 90 के दशक का सुपरहिट गाना ‘चुनरी चुनरी’ बजता है। जैसे ही तेज आवाज में गाने की बीट गूंजती है, वहां मौजूद विदेशी लोग खुद को रोक नहीं पाते और तुरंत ही डांस करना शुरू कर देते हैं!

उनके चेहरे पर खुशी की चमक, कदमों में ताल और माहौल में देसी म्यूजिक का जादू साफ दिखाई देता है। बिना किसी संकोच के वे बॉलीवुड की धुन पर ऐसे झुमने लगे मानो यह गाना उन्हीं का पसंदीदा हो। वीडियो देखकर इंटरनेट पर लोग यही कह रहे हैं बॉलीवुड गानों का चार्म कोई नहीं रोक सकता!

90 के दशक का सुपरहिट डांस नंबर

फिल्म ‘बीवी नं.1’ (1999) का गाना ‘चुनरी चुनरी’ उस दौर का सबसे बड़ा डांस एंथम था। इस गाने को अनुराधा श्रीराम और अभिजीत भट्टाचार्य ने अपनी दमदार आवाज से सजाया था।

काजोल-टि्वंकल का ‘टू मच’ Prime Video पर छाया, बनी सबसे सफल अनस्क्रिप्टेड सीरीज

मुंबई (एजेंसी)।

प्राइम वीडियो की अनस्क्रिप्टेड सीरीज ‘टू मच’ काजोल और टि्वंकल खन्ना के अनूठे होस्टिंग स्टाइल के साथ सफल रही है, जिसने सलमान खान से लेकर आलिया भट्ट तक कई मशहूर हस्तियाँ को आकर्षित किया है। यह शो न केवल भारत में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली सीरीज में से एक बन गया है, बल्कि इसने दर्शकों के साथ एक मजबूत सांस्कृतिक जुड़ाव भी स्थापित किया है।

प्राइम वीडियो का सेलिब्रिटी टॉक शो ‘टू मच विद काजोल एंड टि्वंकल,’ जिसे बॉलीवुड स्टार काजोल और राइटर-प्रोड्यूसर टि्वंकल खन्ना होस्ट करती हैं, भारत में प्लेटफॉर्म की सबसे सफल अनस्क्रिप्टेड सीरीज बन गई है, जो देश के 93% से ज्यादा पोस्टल कोड वाले दर्शकों तक पहुँची है। बनिज एशिया में बनी इस सीरीज के पहले सीजन में सलमान खान, आमिर खान, अक्षय कुमार, सैफ अली खान, आलिया भट्ट, कृति सनोन, वरुण धवन और करण जौहर जैसी बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियां थीं, और इसका आखिरी एपिसोड क्रिकेट वर्ल्ड कप चैंपियन जेमिमा रोड्रिग्स और शैफाली वर्मा के साथ था। बनिजय एशिया द्वारा निर्मित इस



‘टॉक शो’ में सलमान खान, आमिर खान, अक्षय कुमार, सैफ अली खान, आलिया भट्ट, कृति सनॉन, वरुण धवन, करण जौहर सहित बॉलीवुड की कुछ प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। इसके साथ ही विश्व कप क्रिकेट चैंपियन टीम की सदस्य जेमिमा रोड्रिग्स और शेफाली वर्मा के साथ एक विशेष एपिसोड भी प्रसारित किया गया।

एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि अपने पहले सीजन में ही यह ‘टॉक शो’ काफी लोकप्रिय साबित हुआ और भारत के 93 प्रतिशत से ज्यादा पिनकोड तक पहुंच गया। प्राइम वीडियो, इंडिया के निदेशक निखिल मधोक ने कहा कि इस कार्यक्रम को मिली जबरदस्त लोकप्रियता ‘टॉक शो’ में आए नए नजरिए का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह प्राइम वीडियो की अब तक की सबसे ज्यादा देखी

जाने वाली ‘अनस्क्रिप्टेड’ सीरीज बन गयी है।

बनिजय एशिया की वरिष्ठ अधिकारी मृणालिनी जैन ने कहा कि यह एक विशेष कार्यक्रम बन गया, क्योंकि इसमें वह सब कुछ पेश किया गया जिसकी आज दर्शक चाहत रखते हैं - कोई छेड़छाड़ नहीं और मजाकिया बातचीत। जैन ने कहा, जिस क्षण काजोल और टि्वंकल एक साथ आईं, हमें पता था कि उनकी जोड़ी कुछ खास लेकर आएगी, लेकिन जिस पैमाने पर चर्चा हुई और सांस्कृतिक बातचीत हुई, वह हमारी उम्मीदों से कहीं बढ़कर थी।

प्राइम वीडियो के साथ साझेदारी ने उस ऊर्जा को और बढ़ा दिया - साथ मिलकर, हमने उनकी सबसे ज्यादा देखी जाने वाली अनस्क्रिप्टेड सीरीज पेश की, जो वाकई देखने लायक है और जिसे नजरअंदाज करना मुश्किल है।

धर्मेन्द्र से आखिरी मुलाकात को तरस गई थी ये एक्ट्रेस!



हैं और करण देओल के साला साहब लगते हैं। अनीशा रोहन की शादी के बाद दीपिका और धर्मेन्द्र भी रिश्तेदार बन जाएंगे। रोहन आचार्य, बिमल रॉय के परपोते हैं। रोहन आचार्य, दुबई में रहने वाले एक बिजनेसमैन हैं जो अपने परिवार के साथ काम करते हैं और अनीशा एक पूर्व गोल्फ खिलाड़ी हैं जिन्होंने नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर भारत को रिप्रिजेंट किया है।

इसी के साथ अनीशा ‘द लिव लव लाफ फाउंडेशन’ की सीईओ हैं, और इसकी फाउंडर उनकी बहन दीपिका पादुकोण हैं। ये फाउंडेशन मेटल हेल्थ अवेयरनेस पर काम करती हैं। अनीशा ने Psychology, Sociology और Economics में ग्रेजुएशन किया है। उन्होंने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से भी पढ़ाई की है। कहा जा रहा है कि अनीशा और रोहन को मिलाने वाले रणवीर सिंह ही हैं। उन्होंने दोनों को पहली बार मिलवाया था।

आरती-विकास अग्रवाल द्वारा मितानिनों का सम्मान

कोरबा (दिव्य आकाश)।

नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 3 साकेत नगर के पूर्व पार्षद श्रीमती आरती अग्रवाल एवं विकास अग्रवाल ने तुलसीनगर स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर, हमर क्लीनिक के प्रांगण में वार्ड की मितानिनों का सम्मान किया। बतौर अतिथि के रूप में भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष श्रीमती ज्योति वर्मा, मण्डल अध्यक्ष योगेश मिश्रा, उपाध्यक्षद्वय सूरज पाण्डेय, रिपु जायसवाल, हमर क्लीनिक के मेडिकल आफिसर डॉ. उपासना साहू, कोआर्डिनेटर नर्मदा मैत्री, एमटी सरिता कहरा, श्रीमती ज्योति वर्मा, पार्षद पुत्र सुदेश चंद्रा आदि उपस्थित थे।

बिना वेतन की सेवा, अद्भूत हैं मितानिन-विकास अग्रवाल

भाजपा नेता विकास अग्रवाल ने कहा कि आज मितानिन दिवस पर सभी मितानिनों को शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि आज के भौतिक युग में बिना वेतन, सिर्फ प्रोत्साहन राशि से ही चौबिसों घंटे स्वास्थ्य सेवा के लिए तत्पर रहना कम बड़ी बात नहीं है। इस अद्भूत सेवा कार्य को मितानिन अंजाम दे रहे हैं और बुजुर्गों को बेटी बनकर, सह उम्र के लोगों को दोस्त बनकर और छोटों को मां का वात्सल्य देकर सेवा कर स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्तंभ बनकर अपने-अपने क्षेत्र को स्वस्थ मोहल्ला और वार्ड बनाने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि साकेत नगर वार्ड में 6 मितानिन अपनी सेवाओं से सबको स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर रही हैं। हमारा भी कर्तव्य बनता है कि हम उन्हें प्रोत्साहित करें और उनका जो सम्मान है, सम्मान दें। सम्मान देने से सेवाकार्य में और प्रोत्साहन मिलता है। आज हमारे बीच अतिथियों के हाथों सम्मान पाकर मितानिन सेवा कार्यों को और विस्तार



देंगे। भाजपा सरकार सभी वर्ग की सुध लेती है। आगे केन्द्र और राज्य की भाजपा सरकार मितानिनों के बेहतर भविष्य के लिए कुछ न कुछ अवश्य करेगी और हमारा भी प्रयास होगा कि मितानिनों की आवाज सरकार तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जिस तरह से मितानिनों ने संघर्ष किया और घर-घर जा कर लोगों की सेवा की, यह अद्भूत रहा। हम ऐसे मितानिनों को प्रणाम करते हैं।

मितानिन हमारे रक्षक हैं-ज्योति वर्मा
भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष, पूर्व एलडरमेन श्रीमती ज्योति वर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सिर्फ प्रोत्साहन राशि से सेवा के इतने बड़े कार्य को आगे बढ़ाने में मितानिनों का अहम योगदान है। यूं कहें तो मितानिन हमारे रक्षक हैं।

प्रोत्साहन राशि बढ़े, इस आवाज को सरकार तक पहुंचाएं - नर्मदा मैत्री

मितानिन कोआर्डिनेटर श्रीमती नर्मदा मैत्री ने कहा कि सरकार द्वारा हमें अवैतनिक रखा है और हम कुछ प्रोत्साहन राशि से सेवा कार्य करते हैं। सरकार द्वारा हमें सिर्फ स्वास्थ्य सेवा में ही नहीं, बल्कि चुनाव हो, जनगणना हो, एसआईआर हो, प्रसव, टीका करण सहित हर राष्ट्रीय और राजकीय कार्यक्रमों में संलग्न कर देती है। स्वास्थ्य सेवा के अलावा अन्य कार्यों में हमें कोई प्रोत्साहन राशि नहीं मिलती। 24 घंटे की सेवा देते हैं, लेकिन वहां प्रोत्साहन राशि इतनी कम है कि परिवार चलाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि हमारी आवाज को सरकार तक पहुंचाएं, ताकि प्रोत्साहन राशि इतनी हो कि हमारा परिवार भी चल सके।

मितानिनों का कार्य ईश्वरीय कार्य है- मंजू सिंह
कार्यक्रम को भाजपा जिला उपाध्यक्ष मंजू सिंह ने भी सम्बोधित किया और कहा कि मितानिनों को ओहदे से नहीं बल्कि उनके सेवा कार्यों से पहचाना जाना चाहिए। मितानिनों का कार्य ईश्वरीय कार्य है और



उनके कार्य उनका सम्मान और बढ़ा देता है। **स्वास्थ्य क्षेत्र के आधार स्तंभ हैं मितानिन - डॉ. उपासना साहू**
हमर क्लीनिक-आयुष्मान आरोग्य मंदिर तुलसीनगर की मेडिकल आफिसर डॉ. उपासना साहू ने मितानिनों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में आधार स्तंभ बताया और कहा कि

सिर्फ प्रोत्साहन राशि पा कर ही ये बड़े दिल रखकर हर वर्ग के लोगों की सेवा करते हैं, यह सेवाकार्य अतुलनीय है।

अतिथियों को भेंट किया गया प्रतीक चिन्ह

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती मंजू सिंह, योगेश मिश्रा, सूरज पाण्डेय, रिपु जायसवाल, श्रीमती आरती - विकास अग्रवाल, सुदेश चंद्रा, डॉ. उपासना साहू सहित अन्य अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

पुष्प वर्षा से मितानिनों का अद्भूत सम्मान

मितानिनों की सेवा ईश्वरीय सेवा से कम नहीं। अतिथियों ने ऐसे महान कार्य करने वाली मितानिनों को शाल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह देने से पूर्व पुष्पवर्षा कर उनका भव्य

मितानिनों का किया गया सम्मान



अतिथियों ने वार्ड की 6 मितानिनों का शाल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह एवं साड़ी देकर सम्मानित किया। तरनुम, सुकृति, नीरा, संध्या, रवीना एवं गायत्री का सम्मान किया।

इनका भी हुआ सम्मान



कोआर्डिनेटर नर्मदा मैत्री, एमटी सरिता कहरा, ज्योति वर्मा, एएनएम प्रियंका सिस्टर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं- उमा राय, पूर्णिमा, जलवती, गंगा, सरिता, लोकेश्वरी, सुमित्रा, सुधा, लक्ष्मी सहित अन्य कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का सम्मान किया गया।

स्वागत किया गया। अद्भूत सम्मान पा कर मितानिन भावविभोर हो गए। अतिथियों का भी तिलक लगाकर और फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में रविन्द्र कुमार का भी विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साकेत नगर वार्ड के नागरिक भी उपस्थित हुए।

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के पदाधिकारियों ने सांसद ज्योत्सना महंत को सौंपा ज्ञापन



कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के पदाधिकारियों ने सुबह 11 बजे सांसद ज्योत्सना महंत से उनके निवास में मुलाकात कर अखबार वितरकों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। संघ ने सांसद महंत को एक लिखित आवेदन सौंपा, जिसमें वितरण व्यवस्था, आर्थिक कठिनाइयों तथा सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर तत्काल समाधान की मांग की गई।

आवेदन पढ़ने के बाद सांसद ज्योत्सना महंत ने संघ के पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि वे उठाई गई सभी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों से चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी।

मुलाकात के दौरान संघ के संरक्षक रेशम साहू, जिला अध्यक्ष विप्रेन्द्र कुमार साहू, जिला सचिव जय सिंह नेताम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, राय सिंह, रामा, तपेश्वर राठौर, अनिल गिरी, दिलबाग, यश नेताम, दिलीप यादव, राकेश तथा इकाई बालको के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा ग्रामीण के पुनः अध्यक्ष बने मनोज चौहान

मुकेश राठौर को शहर की कमन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

अखिल भारतीय कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के 41 जिला अध्यक्षों की सूची जारी की है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के सी वेणुगोपाल राव ने कांग्रेस जिला अध्यक्षों की सूची जारी की है। इस सूची में 30 जिलों में नये अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं 11 जिलों में वर्तमान जिला अध्यक्षों को पुनः मौका दिया है।

कोरबा ग्रामीण में मनोज चौहान को पुनः मौका दिया गया है। मनोज चौहान को इसी वर्ष 8 माह पहले मार्च माह में कोरबा ग्रामीण क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई थी। कुछ माह के कार्यकाल में मनोज चौहान ने ग्रामीण क्षेत्र के रामपुर, कटघोरा एवं पाली तानाखार विधानसभा में लगातार सक्रिय रहे और पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से मिलते रहे। प्रदेश कांग्रेस एवं एआईसीसी के निर्देशों का जवाबदेही से निर्वहन करते रहे। जिसके फलस्वरूप मनोज को कोरबा ग्रामीण हेतु पुनः मौका दिया है। वहीं कोरबा शहर अध्यक्ष नथुलाल यादव की जगह मुकेश कुमार राठौर को जिम्मेदारी दी गई है।

मनोज चौहान कांग्रेस के ईमानदार सिपाही, दोबारा अध्यक्ष बनने पर बधाई-गोविंद सिंह नेताम

कांग्रेस के वरिष्ठ आदिवासी नेता, जनपद पंचायत कटघोरा के पूर्व सदस्य, नगर पंचायत छुरीकला के पूर्व एलडरमेन, पूर्व सरपंच गोविंद सिंह नेताम ने कहा कि मनोज चौहान कांग्रेस के ईमानदार सिपाही हैं और उनके पुनः कांग्रेस ग्रामीण जिला अध्यक्ष बनने पर कांग्रेस को मजबूती मिलेगी। वे पाली-तानाखार विधानसभा क्षेत्र में बतौर विधायक प्रतिनिधि के रूप में कई वर्षों तक आमजनता के लिए काम किया और पाली-तानाखार विधानसभा क्षेत्र में विकास को रफ्तार देने में अपनी अहम भूमिका निभाई। श्री नेताम ने मनोज चौहान को बधाई प्रेषित की है।



लायंस पब्लिक स्कूल छात्रों का केनरा बैंक शाखा में तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण

कोरबा (दिव्य आकाश)।

ग्राम खरहरकुड़ा मड़वारानी में संचालित सीबीएसई मान्यता प्राप्त विद्यालय लायंस पब्लिक स्कूल के 11वीं एवं 12वीं वाणिज्य संकाय छात्रों ने केनरा बैंक, कोरबा शाखा में तीन दिवसीय शैक्षणिक यात्रा पूरी की, जिसका उद्देश्य उन्हें बैंकिंग प्रक्रियाओं और वित्तीय साक्षरता से परिचित कराना था।

उक्त शैक्षणिक भ्रमण पर विद्यालय के चेयरमेन पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने सभी बच्चों के इस शैक्षणिक भ्रमण पर जानकारी देते हुये बताया कि वर्तमान युग में बैंकिंग सेवा का विशेष महत्व है, हम अपनी छोटी से लेकर बड़ी हर प्रकार के आर्थिक कार्यों के लिए कहीं ना कहीं बैंकिंग सेवा का उपयोग करते हैं। इस शैक्षणिक दौरे के दौरान केनरा बैंक के शाखा प्रबंधक परमेश्वर बेहरा ने छात्रों का मार्गदर्शन किया और बैंक के कामकाज की विस्तृत जानकारी दी। सहायक प्रबंधक दीपिका वारे ने छात्रों को ऋण और लॉकर



सुविधाओं सहित बैंकिंग से संबंधित कई अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में बताया। अभिषेक सर ने भी बैंक से ऋण लेने की प्रक्रिया और ब्याज दरों से जुड़ी जानकारी

साझा की। छात्रों को बैंक से पैसे निकालने की प्रक्रिया, विभिन्न जमा योजनाओं की अवधि और ब्याज दरों के बारे में विस्तार से समझाया गया। इस दौर ने छात्रों के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़कर वित्तीय प्रणाली की व्यापक समझ प्रदान की। यह शैक्षणिक यात्रा छात्रों के लिए बेहद सफल और सूचनाप्रद रही, जिससे उन्हें भविष्य में वित्तीय निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

|| श्री गणेशाय नमः || श्री धनवन्तये नमः ||

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र

गाठिया, जोड़ों का दर्द, साइटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, छाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो आदि।

Dr. Yugesh Sharma
M.D. (N.M.) Regn. 51049/16

शराब छुड़ाने की हर्बल दवा

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं रिटेल विक्रेता

शिव हर्बल मेडिकल स्टोर

शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.प्र.) मो.: 9302358945

एनकेएच वॉकथॉन में उमड़ा कोरबा: घंटाघर से अस्पताल तक स्वास्थ्य जागरूकता की ऐतिहासिक कदमताल

कोरबा (दिव्य आकाश)।

न्यू कोरबा हॉस्पिटल (एनकेएच) द्वारा आयोजित वॉकथॉन में रविवार को शहरवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर स्वास्थ्य जागरूकता का सशक्त संदेश दिया। सुबह 7:30 बजे घंटाघर चौक से शुरू हुआ यह वॉकथॉन न्यू कोरबा हॉस्पिटल परिसर पहुंचकर सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सैकड़ों प्रतिभागियों ने पैदल चलकर एकता, नशा मुक्ति, प्रदूषण से बचाव, स्वास्थ्य और स्वच्छ वातावरण का संदेश दिया। वॉकथॉन की शुरुआत जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार, सीएसपी कोरबा भूषण एक्का, नगर निगम सभापति नूतन सिंह ठाकुर, विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष अमरजीत सिंह, राज्य सचिव स्काउट एंड गाइड जितेंद्र साहू एवं एनकेएच ग्रुप डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी द्वारा की गई।



अस्पताल पहुंचने पर प्रतिभागियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें शुगर, बीपी एवं सामान्य स्वास्थ्य जांच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई। अतिथियों ने कहा कि एनकेएच हमेशा से स्वास्थ्य सेवाओं में

अग्रणी रहा है। वॉकथॉन जैसी पहलें लोगों को नशा मुक्ति, प्रदूषण से बचाव, तथा पैदल चलने की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित करती हैं। एनकेएच ग्रुप के डायरेक्टर व प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. एस. चंदानी ने

कहा कि कोरबा ने उन्हें बहुत कुछ दिया है और वे चाहते हैं कि कोरबावासी बिना दवाइयों के स्वस्थ रहें। इसी उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। एडवांस डायग्नोसिस सेंटर की डायरेक्टर डॉ. वंदना चंदानी ने भी लोगों की भारी भागीदारी पर आभार व्यक्त किया। और कोरबा में अपने स्वास्थ्य को लेकर हर कोई चिंतित और परेशान है। इसे लेकर जागरूकता फैलाने का प्रयास किया।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले पहले 300 लोगों को टी-शर्ट एवं प्रमाणपत्र वितरित किए गए। आयोजन को सफल बनाने में बजरंग दल कोरबा का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर जिला संगठक एनएसएस वाय.के. तिवारी, भाजपा जिला मंत्री विवेक मारकंडे, केएन कॉलेज के कार्यक्रम अधिकारी गोविंद माधव उपाध्याय, पोषण विशेषज्ञ निधि अग्रवाल, योगा इंस्ट्रक्टर सचिन



विश्वकर्मा सहित डॉक्टर, जनप्रतिनिधि, व्यवसायी, छात्र एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में माउथ कैसर से उबर रहे अशोक राठौर को नशा मुक्ति जागरूक नागरिक के रूप में सम्मानित किया गया। साथ ही 83 वर्षीय श्याम मरकाम, जिन्होंने पूरे उत्साह के साथ शुरुआत से समापन तक वॉकथॉन में सहभागिता निभाई, को भी विशेष सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में स्वस्थ जीवन की ओर कदम नशा मुक्ति जागरूकता की शपथ ली गई।

हब पल आपके साथ

बालको दिल्ली पब्लिक स्कूल का 13वाँ वार्षिक समारोह धूमधाम से संपन्न दिखा भारत की सांस्कृतिक विरासत एवं शैक्षणिक उपलब्धियों का मनमोहक संगम

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

बालको दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) ने अपना 13वाँ वार्षिक समारोह अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया, जिसमें भारत की सांस्कृतिक विरासत और शैक्षणिक उपलब्धियों का मनमोहक संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार उपस्थित रहे। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने आधुनिक तकनीकी युग में सांस्कृतिक धरोहरों और परंपराओं के संरक्षण की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया।

इस भव्य कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद विद्यालय के बच्चों ने मधुर स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रदर्शन भारत की विविधता का सुंदर प्रतिबिंब थे। छेरछेरा, हरेली, पोंगल, बिहू और बैसाखी जैसे विभिन्न फसल त्योहारों पर आधारित आकर्षक नृत्य और प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। पुराणों से प्रेरित नाटक 'भक्त प्रह्लाद' दर्शकों की विशेष पसंद रही। राष्ट्रीय एकता और विविधता में एकता का संदेश देते हुए यह रंगारंग शाम, भौगोलिक सीमाओं को मिटाते हुए, सभी के लिए अविस्मरणीय बन गई। समारोह का समापन एक हजार से अधिक उपस्थित दर्शकों द्वारा सामूहिक रूप से गाए गए राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।



शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेलकूद और सहगामी गतिविधियों में डीपीएस बालको की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ - प्राचार्य

वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए डीपीएस बालको के प्राचार्य कैलाश पवार ने कहा कि हमने इस वर्ष शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेलकूद और सहगामी गतिविधियों में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ हासिल की हैं। हमारी एनसीसी यूनिट का पूर्ण रूप से सक्रिय होना विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रभावना को मजबूत कर रहा है। बच्चों ने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जो उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है, उसने विद्यालय, अभिभावकों और बालको सभी का सम्मान बढ़ाया है। हमारे सभी शिक्षक विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर समर्पित हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि प्रत्येक बच्चा अपनी प्रतिभा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा सके।



वार्षिक समारोह बालको की शिक्षा, संस्कृति और समग्र विकास की प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक - राजेश कुमार

बालको के सीईओ एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि यह आवश्यक है कि हम सभी न केवल स्वयं में बल्कि अपने नवांकुर बच्चों में भी अनुशासन और मूल्यों के बीज बोएँ। इन नन्हे पौधों का सही पोषण और मार्गदर्शन ही उन्हें श्रेष्ठ नागरिक और गुणवत्तापूर्ण मानव बनने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि बालको डीपीएस का 13वाँ वार्षिक समारोह बालको की शिक्षा, संस्कृति और समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है। बच्चों ने जिस आत्मविश्वास, अनुशासन और रचनात्मकता के साथ अपनी प्रस्तुतियाँ दीं, वह विद्यालय के उत्कृष्ट मार्गदर्शन और बालको के सहयोग का परिणाम है। साथ ही सीईओ ने बच्चों से कहा कि आप सभी बड़े सपने देखिए, दृढ़ता से सीखते रहिए और अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखिए, क्योंकि भविष्य उन्हीं का होता है जो निरंतर आगे बढ़ते हैं।



बालको लेडीज़ क्लब ने वार्षिक उत्सव मेला का किया भव्य आयोजन क्लब के गौरवशाली 52 वर्ष पूर्ण : उपलब्धियों और समृद्ध विरासत का जश्न

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) के लेडीज़ क्लब द्वारा वार्षिक 'उत्सव मेला-2025' का भव्य आयोजन किया गया। बालको के सीईओ राजेश कुमार तथा बालको लेडिज क्लब की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा कुमार ने फीता काटकर मेले का शुभारंभ किया। क्लब के गौरवशाली 52 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उपलब्धियों और समृद्ध विरासत का जश्न मनाने के उद्देश्य से आयोजित यह मेला बालको परिवार के लिए एकता, उत्साह और सामुदायिक जुड़ाव का प्रतीक बन गया।

मेले में बालको परिवार के 500 से अधिक सदस्य उत्साहपूर्वक शामिल हुए तथा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तथा पारिवारिक मनोरंजन का आनंद लिया। हर आयु वर्ग के लोग मेला में ऊर्जा और उत्साह से परिपूर्ण रहे। मेले में 20 से अधिक स्टॉल लगाए गए जिनमें स्वादिष्ट व्यंजन, पारंपरिक परिधान, हैंडलूम उत्पाद, आभूषण, घरेलू शिल्प, खेल और मनोरंजन प्रमुख आकर्षण रहे। इन स्टॉलों ने न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर दिया, बल्कि महिला उद्यमियों को आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान किया। क्लब ने अपने वार्षिक कार्यक्रम के माध्यम से समुदाय में महिला नेतृत्व, रचनात्मकता और उद्यमिता को नई दिशा और गति प्रदान की। क्लब सदस्यों और बच्चों द्वारा प्रस्तुत विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे नृत्य, मंच प्रदर्शन, प्रतियोगिताएँ और इंटरएक्टिव गेम्स ने पूरे वातावरण को उल्लास से भर दिया। बच्चों, महिलाओं और युवाओं के लिए विशेष रूप से तैयार की गई गतिविधियों ने मेले की आकर्षकता और सहभागिता को और बढ़ाया। इस वर्ष का आयोजन पिछले वर्षों की तुलना में अधिक सुव्यवस्थित, प्रभावशाली और सहभागी



रहा। कार्यक्रम के समापन पर लेडीज़ क्लब की पदाधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों, और बालको प्रबंधन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। साथ ही भविष्य में भी ऐसे ही प्रेरणादायी एवं सामुदायिक जुड़ाव को मजबूत करने वाले कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बालको ने मनाया वर्ल्ड क्वालिटी वीक, गुणवत्ता के नवाचार को दिया बढ़ावा

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

बालकोनगर वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने वर्ल्ड क्वालिटी वीक पर साप्ताहिक उत्सव मनाया गया। इस वर्ष की थीम 'थिंक डिफरेंटली' के अंतर्गत पूरा सप्ताह नवाचार, नए दृष्टिकोण और लगातार सुधार की संस्कृति को मजबूत करने पर केंद्रित था। बालको के प्रमुख प्रचालन क्षेत्र, पावर प्लांट, कार्बन, कास्टहाउस, क्वालिटी एश्योरेंस लैब, एसआरएस और पॉटलाइन में आकर्षक मिनी मॉडल प्रदर्शित की गईं। इससे कर्मचारियों को उत्पादन प्रक्रिया की जटिलताओं और हर चरण में गुणवत्ता की भूमिका को समझने में मदद मिली। सप्ताहभर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में 1,000 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया, जो रचनात्मकता, सहयोग और सीख पर आधारित थीं। इस अवसर पर 'थिंक डिफरेंटली' और 'स्पीक क्वालिटी' विषयों पर स्लोगन लेखन तथा क्वालिटी कैनवास प्रतियोगिता आयोजित की। इसमें कर्मचारियों ने डिजिटल एवं हस्तनिर्मित पोस्टरों के माध्यम से गुणवत्ता की उत्कृष्टता पर अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। कर्मचारियों ने 'वॉइस ऑफ वैल्यूज' के माध्यम से अपने अनुभव और कार्यस्थल से मिली सीख को साझा किया, जो बालको की मूल्य-आधारित कार्य संस्कृति को दर्शाती है।

गुणवत्ता सप्ताह के दौरान आयोजित 'कौन बनेगा क्वालिटी चैंपियन' क्विज ने प्रतिभागियों की गुणवत्ता प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं पर उनकी समझ को परखा। 'चाय पर चर्चा' सत्र ने कर्मचारियों को



खुलकर अपने अनुभव और गुणवत्ता संस्कृति को सुदृढ़ करने के नए समाधान साझा करने का अवसर दिया। 'डिफेक्ट्स हंट' अभ्यास ने टीमों को गुणवत्ता की कमियों की पहचान एवं मूल कारण विश्लेषण (आरसीए) करने जैसे प्रभावी सुधारात्मक कदम सुझाने के लिए प्रेरित किया। इससे सुधार प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी और जिम्मेदारी की भावना विकसित हुई। वरिष्ठ प्रबंधन ने गेम्बा वॉक के माध्यम से फ्रंटलाइन टीमों से संवाद कर उनके प्रयासों की सराहना की और उनके नवीन विचारों को समझा। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि बॉक्स से बाहर सोचकर नए और अलग विचार लाना नवाचार की नींव है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम लोगों को पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर रचनात्मकता को गुणवत्ता का महत्वपूर्ण स्तंभ बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। बालको में हमारा मानना है कि उत्कृष्टता तभी

संभव है जब प्रत्येक व्यक्ति जिज्ञासा और उद्देश्य के साथ सुधार का नेतृत्व करे। कास्टहाउस में कार्यरत हर्षवर्धन दूबे ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि डिफेक्ट हंट जैसे कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी रोजमर्रा की प्रक्रियाओं को एक नए नजरिए से देखा। सुधार के अवसर पहचानना और सामूहिक रूप से समाधान विकसित करना बेहद सीखपूर्ण रहा। इससे स्पष्ट हुआ कि गुणवत्ता संस्कृति को मजबूत करने में टीमवर्क और सभी की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। बालको अपने विविध उत्पादों के लिए आईएसओ 9001:2015 और बीआईएस मानकों के अनुपालन सहित बेहतर गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों पर कार्यरत है, जिससे वह वैश्विक स्तर की उत्कृष्टता बनाए रखता है। निरंतर नवाचार और टीम-प्रेरित कार्यक्रमों के साथ कंपनी एल्यूमिनियम उद्योग में गुणवत्ता उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने में अग्रणी बनी हुई है।